गडकरी के निशाने पर एनएचएआई

एक इमारत के निर्माण में 9 साल लगने पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल

मेघा मनचंदा

एक वायरल वीडियो में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ही एक नई इमारत के पूरा होने में हुई देरी के लिए फटकार लगा रहे हैं जिससे इस संस्था के कामकाज पर सवालिया निशान लगे हैं। हालांकि, सरकारी इंजीनियरों पर आमतौर पर अक्षम और भ्रष्ट होने का आरोप लगाया जाता है लेकिन गडकरी की आलोचना के केंद्र में फैसला लेने में देरी और निगरानी की कमी जैसी अहम बात थी। हालांकि कुछ अधिकारियों ने महत्त्वाकांक्षी ठेकेदारों को देरी के लिए दोषी ठहराया। एक अधिकारी ने कहा, 'जब देरी होती है तब अधिकारी फैसले नहीं लेना चाहते क्योंकि उन्हें डर होता है कि भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा सकते हैं।'

पूर्व सड़क सचिव विजय छिब्बर ने कुछ समय के लिए एनएचएआई का नेतृत्व भी किया था। वह गडकरी की इस आलोचना से सहमत हैं। छिब्बर ने कहा, 'गडकरी का एनएचएआई की आलोचना करना सही है क्योंकि मैंने भी ऐसा ही अनुभव किया है। एक इमारत को पूरा करने में एक दशक से अधिक समय क्यों लगना चाहिए?'

मंत्री ने भी कहा, 'आप (एनएचएआई) ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं लेकिन

कभी भी परियोजना निदेशकों और स्वतंत्र इंजीनियरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते।' वह दिल्ली के द्वारका में एनएचएआई के नए भवन का उद्घाटन वर्चुअल तरीके से कर रहे थे जिसे पूरा होने में नौ साल लग गए।

मंत्री ने कहा कि देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की तस्वीरों को इमारत में प्रदर्शित किया जाना चाहिए ताकि लोगों को उन महान हस्तियों के बारे में पता चले जिन्हें एक इमारत बनाने में नौ साल लग गए। मंत्री ने कहा कि उन्हें एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा फैसला लेने में देरी पर शर्म आ रही है जिनकी वजह से इसकी लागत बढ़ी और वह चाहते हैं कि प्राधिकरण पारदर्शी, समयबद्ध, बेहतर गुणवत्ता वाले काम के नतीजे देने के साथ भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से काम करे। मंत्री ने

गडकरी का वीडियो वायरल हुआ जिसमें एनएचएआई के कामकाज पर उठा सवाल

एनएचएआई के कामकाज में दक्षता लाने को लेकर तत्कालीन संयुक्त सचिव लीना नंदन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का भी हवाला दिया। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसा पाया गया कि फैसला लेने की प्रक्रिया कुछ लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है जो ज्यादा देरी का कारण बना। विचार यह है कि ज्यादा दक्षता लाने के लिए शक्तियां सौंपी जाएं।'

जब राजमार्ग निर्माण की बात आती है तब कभी-कभार वित्त मंत्रालय के अधिकारियों की ओर से भी देरी होती है। नाम न छापने का अनुरोध करने वाले एक अधिकारी ने बताया, 'जब हम परियोजना की मंजूरी के लिए उनके पास जाते हैं तो वे अपनी मंजूरी में भी आगे नहीं आते। हम इस प्रक्रिया को कारगर बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में कोई नुकसान न हो।'

एनएचएआई के पूर्व अध्यक्ष राघव चंद्रा ने राजमार्ग निर्माण में देरी के लिए ठेकेदारों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'अक्षम ठेकेदार जितना चबाने की क्षमता रखते हैं उससे कहीं अधिक खाना चाहते हैं और उन्होंने पहले भी एनएचएआई के लिए समस्या खड़ी की है। 2010-2015 के दौरान, कई कंपनियों ने बीओटी (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर) परियोजनाओं के लिए बोली लगाई लेकिन उन परियोजनाओं के लिए जुटाए गए धन को कहीं और लगा दिया गया। इससे इस क्षेत्र को काफी नुकसान हुआ।'

चंद्रा ने यह भी कहा कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में देरी कंपनियों के सामने आने वाली चुनौतियों में से एक है। वह कहते हैं, 'कुछ परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण समय पर नहीं हुआ और इसलिए देरी हो गई लेकिन मुख्य रूप से राज्यों को ऐसा करना होगा। जब तक ठेकेदारों, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल नहीं बैठता तब तक चीजें कुशलता से नहीं हो सकती हैं।'

कोरोना घटनाक्रम

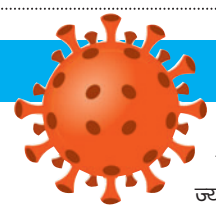

- भारत में कोविड-19 के 49,881 नए मामले सामने आने के बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या गुरुवार को 80 लाख के पार पहुंच गई। वहीं 73.15 लाख लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही देश में मरीजों के ठीक होने की दर 90.99 प्रतिशत हो गई है
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले छह सप्ताह में कोविड-19 के लिए औसतन लगभग 11 लाख नमूनों की जांच की गई है और कुल जांच 10.65 करोड़ के पार पहुंच चुकी है
- उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 के इलाज के लिए बगैर किसी मंजूरी के ही कथित रूप से रेमडेसिविर और फेवीपिरावीर दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र से जवाब मांगा
- सीरो सर्वेक्षण के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले के हर पांच में से दो निवासियों यानी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी में कोविड-19 के लिए एंटीबॉडी बन गई है। सरकारी अस्पताल द्वारा किए गए इस अध्ययन पर जिला प्रशासन ने सवाल उठाएं हैं और कहा कि है कि इसका सैंपल आकार छोटा है
- महाराष्ट्र में कोविड-19 के 5,902 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण का कुल आंकड़ा 16,66,668 पहुंच गया

#BSAwards

COMPANY OF THE YEAR
LARSEN & TOUBRO

S N SUBRAHMANYAN
CEO & MD

THE GREAT EASTERN SHIPPING CO. LTD.
presents
Business Standard Awards
Winners Conclave
5th November, 4.30 pm

Visit bsawards.in to register

Business Standard
Insight Out

bsindia bsindia business-standard.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA | देना DENA

प्रधान कार्यालय: बड़ौदा हाउस, पोस्ट बॉक्स नं. 506, मांडवी, बड़ौदा - 390006
कार्पोरेट कार्यालय: सी-26, जी-ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई - 400 051

वित्तीय परिणाम
Q2 - वित्तीय वर्ष: 2020-21

उपलब्ध सेवाएं: गृह ऋण | कार ऋण | BARODA etrade 3-in-1 Bank, Demat & Trading Account | BARODA Wealth Management Services | BARODA M-CONNECT plus मोबाइल बैंकिंग ऐप | BARODA CONNECT इंटरनेट बैंकिंग

30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही/छमाही के लिए एकल वित्तीय परिणाम

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	30.09.2020 को समाप्त तिमाही समीक्षित	30.09.2020 को समाप्त छमाही समीक्षित	30.09.2019 को समाप्त तिमाही समीक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय	20719,85	41032,29	22097,91
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (कर, अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पूर्व)	2550,23	1242,47	1126,76
3.	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ / (हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	2550,23	1242,47	1126,76
4.	अवधि के लिए कर पश्चात शुद्ध लाभ/ (हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	1678,60	814,34	736,68
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [जिसमें अवधि के लिए लाभ/ (हानि) (कर पश्चात) एवं अन्य व्यापक आय (कर पश्चात) शामिल हैं]	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें
6.	इक्विटी शेयर पूँजी	925,37	925,37	770,61
7.	आरक्षित निधियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर) जैसा कि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दर्शाया गया है.	-	-	-
8.	आय प्रति शेयर (₹ 2/- प्रत्येक) (जारी एवं समाप्त परिचालनों के लिए) बुनियादी (₹ में) न्यून (₹ में)	3.63	1.76	2.01

30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही/छमाही के लिए समेकित वित्तीय परिणाम

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	30.09.2020 को समाप्त तिमाही समीक्षित	30.09.2020 को समाप्त छमाही समीक्षित	30.09.2019 को समाप्त तिमाही समीक्षित
1.	परिचालनों से कुल आय	21853,79	43538,50	23304,57
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (कर, अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पूर्व)	2733,58	1688,72	1300,30
3.	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ / (हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	2733,58	1688,72	1300,30
4.	अवधि के लिए कर पश्चात शुद्ध लाभ/ (हानि) (अपवादात्मक और/या असाधारण मदों के पश्चात)	1794,30	1144,03	853,82
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [जिसमें अवधि के लिए लाभ/ (हानि) (कर पश्चात) एवं अन्य व्यापक आय (कर पश्चात) शामिल हैं]	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें	टिप्पणी 2 देखें
6.	इक्विटी शेयर पूँजी	925,37	925,37	770,61
7.	आरक्षित निधियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर) जैसा कि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दर्शाया गया है.	-	-	-
8.	आय प्रति शेयर (₹ 2/- प्रत्येक) (जारी एवं समाप्त परिचालनों के लिए) बुनियादी (₹ में) न्यून (₹ में)	3.83	2.36	2.33

नोट :

1) उपर्युक्त, सेबी (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत तिमाही/छमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त रूप है. तिमाही/छमाही वित्तीय परिणामों का संपूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों **www.bseindia.com, www.nseindia.com** तथा बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** पर उपलब्ध है.

2) कुल व्यापक आय एवं अन्य व्यापक आय से संबंधित जानकारी नहीं दी गई है, क्योंकि इंड एएस को अभी बैंक के लिए लागू नहीं किया गया है.

स्थान : मुंबई
दिनांक : 29.10.2020

विक्रमादित्य सिंह खीची
कार्यपालक निदेशक

शांति लाल जैन
कार्यपालक निदेशक

मुरली रामस्वामी
कार्यपालक निदेशक

संजीव चड्ढा
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी